कृपया
सारकोसिस्टों से
मेरी रक्षा करें

भैंसों में सारकोसिस्टोसिस बीमारी कैसे रोक सकते हैं।

- कुत्तों, बिल्लियों आदि को कच्चा और अधपका भैंस मांस और मांस उत्पादकों को खिलाना नहीं चाहिए।
- भैंस मांस को -20°C के पास जमाने से और 70°C के ऊपर कम से कम 15 मिनिट पकाने से मांस मे रहगये सारकोसिस्ट मर जायेंगे

भैंसों का चारा व पीने के पानी को कुते और बिल्ली के मल से दूषित न करें

भैंसों मे सारकोसिस्टोसिस की बीमारी

हमारा देश में संसार की आधी भैंस (लग भग 105 मिलियन) है । 2013-14 में हमारा देश ने 1.45 मिलियन टन भैंस मांस को विदेशों मे निर्यात कर 26,458 करोडं रूपया कमाया । भैंस के मांस में सारकोसिस्ट रहने से मांस का आर्थिक मूल्य विशेष रूप से नीचे चला जाता है । यह एक प्रोटोज़ोआ बीमारी है। यह कुत्ते, बिल्ली आदि निश्चित मेजबान और भैंस, पशु आदि मध्यवर्ती मेजबान में अपना जीवन चक्र पूरा करती है । भैंस में प्रमुख सारकोसिस्ट की प्रजाती इस प्रकार है ।

सारकोसिस्ट की प्रजातियॉ	मध्यवर्ती मेजबान (मांस मे स्पोरोसिस्ट)	निश्चित मेजबान (मल मे स्पोरोसिस्ट)
एस. लेविनी	भैंस	कुत्ते
एस. फ्यूसिफार्मिस	भैंस	बिल्ली

कुत्तों और बिल्ली : कच्चा और अधपका भैंस मांस और मांस के उत्पादकों को खाने से मांस में मौजूद सारकोसिस्ट से ब्राडिजाईट्स आंत में जारी हो कर दस्त, मतली, उलटी, बुखार होगा ।

भैंस : कुत्ते और बिल्ली के मल से दूषित पानी और चारा खाने से मल मे मैजूद स्पोरोसिस्ट आंत मे जारी हो जाता है । स्पोरोसिस्ट में मौजूद स्पोरोजाइट्स आंत मे जारी होकर शरीर की सभी स्वैच्छिक मांसपेशियों तक जा कर खीरे के बीज के आकार के सारकोसिस्ट बन जाते हैं।

जूनोसिस : अधपके पशु मांस को मनुष्य खाने से मांस मे मौजूद सा. होमिनिस के कारण मनुष्य दस्त से पीड़ित हो सकते हैं । पशु के मांस में मैजूद सा. होमिनिस क्या भैंस के मांस मे भी होगा, यह अभी भी संदेह है। अधपका भैंस मांस खाने से क्या मनुष्य सारकोसिस्ट से पीडित होगा या नही होगा इस बारे मे अभी और शोध करना है ।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें

निदेशक
भाकृअनुप - राष्ट्रीय मांस अनुसंधान केंद्र
चेंगिचेर्ला, पोस्ट बाक्स - 19, पीओ बोडुप्पल, हैदराबाद - 500092.
फोन : 040 - 29801672, फैक्स : 040 - 29804259
मेल : nrcmeat_director@yahoo.co.in वेब : www.nrcmeat.org.in

तैयार द्वारा
डॉ. सी. रामकृष्णा
वरिष्ट वैज्ञानिक
डॉ. एल.आर. छाटलोड
वैज्ञानिक
डॉ. एस. वैद्यनाधन
प्रधान वैज्ञानिक
डॉ. एम. मुत्तुकुमार
वरिष्ट वैज्ञानिक
पी. लावण्या
वरिष्ट रीसर्च फैलो

वित्त पोषित
आपेडा, नई दिल्ली.